बड़े उद्योग-गृहों के प्रतिनिधियों को विदेश यात्राओं के लिए विदेशी मुद्रा का नियतन

710. श्री हरी सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) तीस सर्वोच्च उद्योग गृहो के उन प्रतिनिधियो के नाम तथा सख्या क्या है जो 1970–71 और 1972-73 मे विदेश यात्रा पर गये,

(ख) उनमे से प्रत्येक को कितनी विदेशी मद्रा दी गई, और

(ग) इन मे से प्रत्यक यात्रा का उद्देश्य क्या था और उसका परिणाम क्या हुआ ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) (क) से (ग). माननीय सदस्य सभवत 20 अपेक्षाकृत बडे औद्योगिक गहो के बारे मे सूचना चाहते है । इस धारणा के आधार पर, आवश्यक सचना इकट्ठी की जा रही है और सभा – पटल पर रख दी जायगी ।

तीसरे वेतन आयोग की रिपोर्ट का पेश किया जाना

711 श्री हरी सिंह
श्री पी० एम० बनर्जी

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को तीसरे वेतन आयोग की रिपोर्ट मिल गई है,

(ख) यदि हा, तो तत्सबधी मुख्य सिफारिशे क्या है, और

(ग) यदि नही, तो विलम्ब के क्या कारण हैं, रिपोर्ट को शीघ्र प्रस्तुत करवाने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है और रिपोर्ट कब तक प्रस्तुत कर दी जायेगी ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश) : (क) जी नही :

(ख) उपर्युक्त (क) को देखते हुए यह प्रश्न नही उठता !

(ग) : तृतीय वेतन आयोग के निर्देश–पद पूर्ववर्ती वेतन–आयोगो के निर्देश–पदो की अपेक्षा बहुत व्यापक है और उनमे जटिल विषय ग्रस्त है । आयोग को केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियो की फेडरेशनो तथा अन्य संस्थाओ से कोई 9 500 ज्ञापन प्राप्त हुए थे तथा आयोग द्वारा कर्मचरियो के सघा निकायो आदि को जारी की गयी प्रश्नावली के भी कोई 2 600 उत्तर प्राप्त हुए थे । इसके अतिरिक्त आयोग ने कर्मचारियो के 400 स अधिक सस्थाओ फेडरेशनो आदि का मौखिक साक्ष्य प्राप्त किया । सरकारी पक्ष से भी साक्ष्य प्राप्त किया गया तथा राज्य सरकारो के मत्रियो के साथ भी विचार–विमर्श किया गया था । इस प्रकार प्राप्त हुई विशाल सामग्री की छानबीन मे अनिवार्यत समय लगा । इसके अलावा आयोग को समय 2 पर उपभोक्ता मूल्य सूचकाक के स्तर मे वृद्धि के सदर्भ मे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियो को अतरिम राहत मजूर करने के प्रश्न पर विचार करन के लिए अपने कार्य को तीन बार स्थगित करना पडा था जिससे आयोग को अपना कार्यक्रम पुनर्व्यवस्थित करना पडा । फिर भी आयोग अपने काम को जल्दी से जल्दी पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहा है । वर्तमान सकेतो के अनुसार आयोग की अतिम रिपोर्ट 31 मार्च 1973 से पूर्व प्राप्त हो जाने की आशा है ।

Meeting of Representatives of the Export Promotion Council and Chambers of Commerce

712 SHRI P M MEHTA.
SHRI K LAKKAPPA.

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state·

(a) whether a meeting of representatives of Government Export Promo–

tion Councils and Chambers of Commerce was held in New Delhi in the 2nd week of December, 1972;

(b) if so, the subjects discussed in the meeting?

(c) whether some participants had made observations that China could pose a threat to India's exports; and

(d) if so, whether positive measures are being contemplated to strengthen India's exports?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) Yes, Sir.

(b) The following main subjects were discussed in the Meeting:—

(i) review of export performance during 1972-73 and measures necessary for achieving targets fixed for the year;

(ii) organisational problems of export promotion councils including the need for foreign and regional offices;

(iii) measures required to maintain and increase India's exports to U K. and E.C.M. consequent on Britain's entry into EEC from 1st January, 1973;

(iv) Operation of GSP on India's exports and the experience gained so far; and

(v) commodity-wise export problems including those connected with the Government's scheme of canalisation and turnkey projects.

(c) and (d) Yes, Sir.

Seminar on Trade with East Europe

713. SHRI P. M. MEHTA:
SHRI K. LAKKAPPA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether a Seminar on Trade with East Europe was held in New Delhi in the first week of December, 1973;

(b) if so, whether the Seminar suggested the need for better guidance from Commercial representatives of Indian missions in the region; and

(c) whether the Seminar also suggested that Commercial representatives should be given professional training to enable them to do the work for the Indian Trade delegations going abroad, if so, Government's reaction thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A C. GEORGE): (a) and (b). Yes, Sir.

(c) It was recommended at the Seminar that the Commercial Representatives should be given professional training before being posted abroad. *inter alia*, to enable them to better assist visiting delegations of Indian exporters. The recommendations which were received on 20th February, 1973 are being examined by the Government.

Trade Agreement with U S S.R. for Import

714. SHRI P. M. MEHTA:
SHRI P GANGADEB:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the Soviet Union has signed an agreement on December, 16, 1972 with an importing firm in India for supply of Rs 80 lakh worth of printing machinery for newspapers; and

(b) if so, the value of the contract signed?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) and (b). Government had no direct information regarding the agreement referred to. However, on making enquiries, it is understood that on 16th December, 1972, one and on 15th December, 1972, five newspaper establishments had